IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

देवास टेकरी: धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन अध्ययन

शोधार्थी- जितेन्द्र भीलवाडा

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व अध्ययनशाला सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन

सारांश

मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में स्थित देवास नगर अपनी औद्योगिक पहचान के साथ-साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है। इस विरासत का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र देवास टेकरी है, जहाँ माँ चामुंडा और माँ तुलजा भवानी के प्राचीन मंदिर स्थित हैं। यह स्थल केवल एक धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि स्थानीय संस्कृति, सामाजिक जीवन और पर्यटन गतिविधियों का भी प्रमुख आधार है। प्रस्तुत शोध-पत्र का उद्देश्य देवास टेकरी के धार्मिक महत्व, सांस्कृतिक प्रभाव तथा पर्यटन संभावनाओं का अध्ययन करना है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि टेकरी ने देवास की ऐतिहासिक पहचान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा वर्तमान समय में यह धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बन चुकी है।

मुख्य शब्द: देवास टेकरी , माँ चामुंडा, धार्मिक पर्यटन, लोक संस्कृति, शक्ति उपासना, मालवा क्षेत्र, आस्था एवं श्रद्धा

प्रस्तावना

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में देवी-उपासना का विशेष महत्व रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में देवी के विविध रूपों की आराधना स्थानीय संस्कृति और सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग रही है। मालवा क्षेत्र में स्थित देवास नगर भी इसी परंपरा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। नगर के मध्य स्थित देवास टेकरी पर माँ चामुंडा तथा माँ तुलजा भवानी के मंदिर स्थापित हैं, जिनके प्रति स्थानीय जनता की गहरी श्रद्धा है। देवास जिला प्रशासन के अनुसार टेकरी नगर का प्रमुख धार्मिक आकर्षण है तथा सदियों से स्थानीय जनजीवन के साथ जुड़ी हुई है। यह स्थल ऐतिहासिक घटनाओं, सामाजिक परिवर्तनों तथा धार्मिक परंपराओं का साक्षी रहा है।

देवास टेकरी का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से नहीं है, बल्कि यह नगर की सांस्कृतिक पहचान का भी प्रमुख प्रतीक है। नवरात्रि जैसे पर्वों के दौरान यहाँ हजारों श्रद्धालुओं का आगमन होता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है।

शोध के उद्देश्य

- देवास टेकरी के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का अध्ययन करना।
- टेकरी से संबंधित सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपराओं का विश्लेषण करना।
- स्थानीय जनजीवन पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करना।
- धार्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में इसकी भूमिका का अध्ययन करना।
- संरक्षण एवं पर्यटन विकास की संभावनाओं का परीक्षण करना।

शोधन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन मुख्यतः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध पद्धति पर आधारित है। इस अध्ययन में देवास टेकरी के धार्मिक, सांस्कृतिक तथा पर्यटन संबंधी महत्व का विश्लेषण उपलब्ध साहित्य एवं दस्तावेजों के आधार पर किया गया है।

अध्ययन हेतु द्वितीयक का उपयोग किया गया है। इन स्रोतों में पुस्तकें, शोध-पत्र, संदर्भ ग्रंथ, सरकारी अभिलेख, देवास जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट तथा अन्य प्रामाणिक प्रकाशन सम्मिलित हैं। प्राप्त सामग्री का तुलनात्मक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन कर विषय से संबंधित निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए हैं।

देवास का ऐतिहासिक परिचय

देवास मालवा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण नगर है। ऐतिहासिक रूप से यह मराठा शासन के दौरान विकसित हुआ तथा बाद में एक प्रमुख रियासत के रूप में प्रसिद्ध हुआ। देवास नगर का नाम स्थानीय परंपराओं के अनुसार देवी से जुड़ा माना जाता है। कई विद्वानों ने इसकी व्युत्पत्ति "देवी वासिनी" अथवा "देव-वास" अर्थात देवताओं के निवास से संबंधित बताई है।

देवास नगर के विकास में टेकरी का विशेष योगदान रहा है। नगर की भौगोलिक संरचना और धार्मिक परंपराओं ने इसे क्षेत्रीय पहचान प्रदान की। अंग्रेज़ी साहित्यकार ई. एम. फॉर्स्टर ने भी देवास और यहाँ की देवी परंपरा से प्रभावित होकर **The Hill of Devi** नामक कृति लिखी थी, जिससे इस स्थल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली।

देवास टेकरी का धार्मिक महत्व

देवास टेकरी धार्मिक दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ स्थित माँ चामुंडा तथा माँ तुलजा भवानी के मंदिर शक्ति-उपासना की परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार दोनों देवियाँ नगर की संरक्षिका मानी जाती हैं और श्रद्धालु उनकी कृपा प्राप्त करने हेतु नियमित रूप से दर्शन करने आते हैं।

देवास जिला प्रशासन के अनुसार टेकरी सदियों से श्रद्धा और विश्वास का केंद्र रही है। नगर के सामान्य नागरिकों से लेकर विशिष्ट व्यक्तियों तक सभी वर्गों में इस स्थल के प्रति विशेष आस्था पाई जाती है।

नवरात्रि पर्व के दौरान टेकरी का धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है। चैत्र तथा शारदीय नवरात्रि में बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ दर्शन के लिए पहुँचते हैं। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, भजन, कीर्तन तथा विशेष पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह स्थल शक्ति परंपरा की निरंतरता का प्रतीक है। यहाँ आने वाले श्रद्धालु केवल पूजा-अर्चना ही नहीं करते, बल्कि अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भी देवी से प्रार्थना करते हैं। इस प्रकार टेकरी स्थानीय धार्मिक चेतना का प्रमुख केंद्र बनी हुई है।

देवास टेकरी और स्थानीय संस्कृति

देवास टेकरी का प्रभाव स्थानीय संस्कृति पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। नगर के अनेक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम देवी परंपरा से जुड़े हुए हैं। नवरात्रि, विजयादशमी तथा अन्य धार्मिक पर्वों के अवसर पर विशेष आयोजन किए जाते हैं, जिनमें स्थानीय समुदाय सक्रिय रूप से भाग लेता है।

लोकगीतों, लोककथाओं और स्थानीय मान्यताओं में भी माँ चामुंडा तथा माँ तुलजा भवानी का विशेष स्थान है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में देवी से संबंधित कथाएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रचलित रही हैं।

धार्मिक मेलों और उत्सवों के माध्यम से टेकरी सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ करती है। विभिन्न जातियों, वर्गों और समुदायों के लोग एक साथ धार्मिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, जिससे सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है।

पर्यटन की संभावनाएँ

देवास टेकरी धार्मिक पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र है। नगर के मध्य स्थित होने के कारण यहाँ पहुँचना अपेक्षाकृत सरल है। जिला प्रशासन के अनुसार यह स्थल सड़क, रेल तथा वायु मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। निकटतम हवाई अड्डा इंदौर में स्थित है, जो लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर है।

वर्तमान समय में टेकरी पर रोपवे जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं, जिससे पर्यटकों और श्रद्धालुओं को सुविधा मिलती है। पहाड़ी से दिखाई देने वाला नगर का दृश्य भी पर्यटकों को आकर्षित करता है।

धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्यटन की दृष्टि से भी इस स्थल में पर्याप्त संभावनाएँ हैं। यदि स्थानीय प्रशासन द्वारा विरासत संरक्षण, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार तथा सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा दिया जाए, तो देवास टेकरी मालवा क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपना स्थान और मजबूत कर सकती है।

निष्कर्ष

देवास टेकरी धार्मिक, सांस्कृतिक तथा पर्यटन दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। माँ चामुंडा और माँ तुलजा भवानी के मंदिरों ने इसे विशेष पहचान प्रदान की है। यह स्थल केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि देवास की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। नवरात्रि जैसे पर्वों के दौरान यहाँ होने वाली गतिविधियाँ स्थानीय संस्कृति और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करती हैं। साथ ही धार्मिक पर्यटन के माध्यम से क्षेत्रीय आर्थिक विकास में भी योगदान देती हैं।

अतः यह कहा जा सकता है कि देवास टेकरी मालवा क्षेत्र की धार्मिक परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और पर्यटन विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसके संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रंथ

- देवास जिला प्रशासन। **"टेकरी"**। मध्य प्रदेश शासन। उपलब्ध: देवास जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट।
- District Administration Dewas, “Dewas Mata Ji Tekri.” उपलब्ध: देवास जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट।
- देवास नाम की व्युत्पत्ति संबंधी विवरण जिला प्रशासन एवं ऐतिहासिक परंपराओं में मिलता है।
- Forster, E. M. *The Hill of Devi*. London: Edward Arnold, 1953.
- तीर्थ, स्वामी शिवोम। साधना शिखर। 2003.
- Britannica Encyclopaedia. “Dewas.”